No. of Printed Pages : 6

MBG–004

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)
(MABGS)
Term-End Examination
June, 2025

MBG-004 : AKSHAR BRAHMA EVAM RAJVIDYA YOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. Describe the nature of Knowledge according to the Gītā.

2. Write about the Divisions of Prakṛti as described in the Gītā.
3. Describe the relationship between Bhakti and Jñāna.
4. Write about the all-pervasiveness of 'Bhagavān'.
5. Describe the nature of Death according to the Gītā.
6. Describe the nature of Oṃkārabrahma.
7. Describe the Paramadhāma (The Ultimate Destination).

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×10=40*

1. Write a note on the Aparā Prakṛti.
2. Write about the nature of the Siddha and Siddhi.
3. Write a note on Sādhanā in the context of the Gītā.

4. Write about the Nature of Pujā according to the Gītā.

5. Define Adhyātma.

6. Define Śaraṇāgati.

7. Explain the following :

अक्षरं ब्रह्म परमं स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते।

भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसंज्ञितः॥

MBG–004

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.बी.जी.-004 : अक्षरब्रह्म एवं राजविद्या योग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. गीता के अनुसार ज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. गीता में वर्णित प्रकृति के भेदों का निरूपण कीजिए।

3. भक्ति और ज्ञान के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

4. भगवान् की सर्वव्यापकता का निरूपण कीजिए।

5. गीता के अनुसार मृत्यु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. ओंकारब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. परमधाम का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. अपरा प्रकृति पर टिप्पणी लिखिए।

2. सिद्ध और सिद्धि के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

3. गीता के सन्दर्भ में साधना पर टिप्पणी लिखिए।

4. गीता के अनुसार पूजा के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

5. अध्यात्म को परिभाषित कीजिए।

6. शरणागति को परिभाषित कीजिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

अक्षरं ब्रह्म परमं स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते।

भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसंज्ञितः॥

× × × × ×